खास खबर .com
हर खबर खास खबर

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे पर महाराष्ट्र की सबसे लंबी, चौड़ी सड़क सुरंग में दिन जैसा उजाला

www.khaskhabar.com | Published : बुधवार, 30 जून 2021, 08:27 AM (IST)

मुंबई। एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, महाराष्ट्र की सबसे लंबी और सबसे चौड़ी सड़क सुरंग ने आगामी 'हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग' या मुंबई-नागपुर सुपर कम्युनिकेशन एक्सप्रेसवे की ग्रीनफील्ड परियोजना पर दिन का प्रकाश देखा। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्च र लिमिटेड, शापूरजी के इंजीनियरों और श्रमिकों की पल्लोनजी ग्रुप की एक टीम द्वारा कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के खतरे के तहत कड़ी मेहनत की परिणति को चिह्नन्ति करते हुए, सुरंग पर अंतिम विस्फोट के बाद खुशी की एक बड़ी गर्जना हवा को दी है।

एआईएल परियोजना प्रबंधक और नेता शेखर दास ने आईएएनएस को बताया, "सुरंग 7.78 किलोमीटर लंबी है, दो ट्यूबों में 35 मीटर (प्रत्येक ट्यूब में 17.50 मीटर) की कुल चौड़ाई के साथ इगतपुरी (नासिक) और वाशाला (ठाणे) के बीच, घने जंगलों वाले पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है।"

सड़क सुरंग महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के लिए एआईएल द्वारा संचालित 13.10 किलोमीटर लंबे पैकेज 14 का हिस्सा है और इसे निर्धारित समय से तीन महीने पहले पूरा किया गया था।

राज्य की राजधानी मुंबई को अपनी दूसरी राजधानी नागपुर से जोड़ने वाले 701 किलोमीटर लंबे पूर्व-पश्चिम एक्सप्रेसवे के सितंबर 2021 तक आंशिक रूप से चालू होने और मई 2022 तक पूरी तरह से पूरा होने की उम्मीद है, जिससे दोनों शहरों के बीच यात्रा का समय मौजूदा 16 घंटे से आधा हो जाएगा।

सुरंग की सफलता को एमएसआरडीसी के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक राधेश्याम मोपलवार और अन्य शीर्ष अधिकारियों के अलावा एआईएल के अधिकारियों ने पूरे एक्सप्रेसवे पर सबसे तेजी से चलने वाला पैकेज बताया।

दास ने कहा, इसके अलावा, 900 मीटर और 1.20 किलोमीटर के एआईएल पैकेज पर दो छोटे वायडक्ट हैं, जो वन्य क्षेत्र में जंगली जानवरों को जाने में सक्षम बनाएंगे, जहां एक्सप्रेसवे की बाड़ नहीं होगी।

लगभग 55,000 करोड़ रुपये की कुल लागत से बनने वाले एक्सप्रेसवे में दो और छोटी सुरंगें होंगी - 1.10 किलोमीटर और 300 मीटर लंबी एक ऊध्वाधर शाफ्ट और दो ट्यूबों को वेंटिलेशन प्रदान करने के लिए एक झुका हुआ शाफ्ट होगा।

ये भी पढ़ें - अपने राज्य / शहर की खबर अख़बार से पहले पढ़ने के लिए क्लिक करेदास ने कहा कि नौ महीने के लिए 200 मीटर से ज्यादा की औसत गति से ड्रिलिंग-ब्लास्टिंग विधि का उपयोग करके पूरी सुरंग खोदी गई थी और विशाल कोविड-19 प्रतिबंधों और प्रोटोकॉल के बावजूद एक बिंदु पर 258.40 मीटर की उच्चतम गति प्राप्त की गई थी।

दास ने कहा, "कई कार्यकर्ता सभी सावधानियों के बावजूद बीमार पड़ गए, लेकिन उनकी अच्छी तरह से देखभाल की गई और इलाज के बाद काम पर लौट आए।"

एक्सप्रेसवे राज्य के कुल 36 जिलों के अन्य 24 जिलों को रणनीतिक बिंदुओं पर कनेक्टिविटी देने के अलावा, 10 जिलों - ठाणे, नासिक, अहमदनगर, जालना, औरंगाबाद, बुलढाणा, वाशिम, अमरावती, वर्धा और नागपुर से होकर गुजरेगा। (आईएएनएस)

Copyright © 2021 I Khaskhabar.com Group, All Rights Reserved